**ग्रामीण कृषि मौसम सेवा**

भारत मौसम विज्ञान विभाग

उद्यानिकी और वानिकी विश्वविद्यालय के डॉ। वाई.एस.

नौनी सोलन, हिमाचल प्रदेश

# मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

**दिनांक : 19-04-2024**

**सोलान(हिमाचल प्रदेश ) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2024-04-19 ( अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)**

| मौसम कारक | 2024-04-20 | 2024-04-21 | 2024-04-22 | 2024-04-23 | 2024-04-24 |
|---|---|---|---|---|---|
| वर्षा (मिमी) | 2.0 | 0.0 | 0.0 | 1.0 | 0.0 |
| अधिकतम तापमान(से.) | 27.0 | 27.0 | 26.0 | 26.0 | 27.0 |
| न्यूनतम तापमान(से.) | 14.0 | 14.0 | 14.0 | 14.0 | 15.0 |
| अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 89 | 80 | 78 | 88 | 79 |
| न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%) | 60 | 30 | 31 | 59 | 29 |
| हवा की गति (किमी प्रति घंटा) | 9 | 8 | 9 | 9 | 10 |
| पवन दिशा (डिग्री) | 45 | 65 | 77 | 43 | 9 |
| क्लाउड कवर (ओक्टा) | 4 | 0 | 0 | 4 | 0 |

**मौसम सारांश / चेतावनी:**

अगले पांच दिनों में मौसम परिवर्तनशील रहेगा, अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 26.0-27.0ºC और 14.0-15.0ºC के बीच रहेगा। उत्तर-पूर्व दिशा में हवा की गति 9.0-10.0 किमी प्रति घंटे के बीच रहेगी। सापेक्ष आर्द्रता 29-89 प्रतिशत के बीच उतार-चढ़ाव होगी।

**सामान्य सलाहकार:**

मौजूदा मौसम की स्थिति में नए कीटों के उद्भव के लिए फसल की नियमित निगरानी करें। ग्रीष्मकालीन सब्जियों की सीधी बुआई। फसल आधारित कृषि सलाह का नियमित रूप से पालन करें। किसानों को खड़ी फसल में निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। गरज और बिजली गिरने से सावधानियां बरतें, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खुले मैदानों में जाने से बचें। ऊँचे पेड़ों या अन्य वस्तुओं से दूर रहें। रबी फसल की कटाई के बाद खेतों की गहरी जुताई करें। साफ़ मौसम के दौरान पौधों की सुरक्षा के उपाय लागू करें। स्थानीय भाषा में कृषि मौसम संबंधी सलाह के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए MEGHDOOT ऐप का उपयोग करें।

**लघु संदेश सलाहकार:**

| |
|---|
| किसानों को अगली फसल बोने से पहले मृदा परीक्षण के माध्यम से अपनी खेत की मिट्टी की स्थिति की जांच करने की सलाह दी जाती है। |

**फ़सल विशिष्ट सलाह:**

| फ़सल | फ़सल विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गेहूँ | किसानों ने गेहूं की कटाई और मड़ाई का काम पूरा कर लिया है, उन्हें सलाह दी जाती है कि वे कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं। जिन किसानों के पास फसल की कटाई बची है वे फसल काट सकते हैं क्योंकि 19 अप्रैल, 2024 के बाद मौसम साफ और शुष्क रहेगा। |

**बागवानी विशिष्ट सलाह:**

| बागवानी | बागवानी विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| सेब | सेब की फसल फूल अवस्था में है, परागण में सुधार के लिए बगीचों में प्रति 5 बीघे में 2-3 मधुमक्खी कॉलोनी बक्से रखने की सलाह दी जाती है। |
| टमाटर | किसानों को खेतों में टमाटर की पौध रोपने की सलाह दी जाती है। |
| सेम की फली | किसानों को सलाह दी जाती है कि वे अच्छी तरह से तैयार खेतों में FYM के साथ ग्रीष्मकालीन सब्जियों की बुआई करें। बेहतर अंकुरण के लिए बीज को बोने से पहले रात भर पानी में भिगोएँ। |
| लहसुन | कटाई के 10-15 दिन पहले सिंचाई बंद कर देनी चाहिए. 50% गर्दन गिरने के बाद फसल की कटाई करनी चाहिए। यदि फसल गर्दन गिरने की अवस्था में है और बारिश के कारण क्षतिग्रस्त हो जाती है, तो खेतों से अतिरिक्त पानी निकालने की व्यवस्था करनी चाहिए। |

**पशुपालन विशिष्ट सलाह:**

| पशुपालन | पशुपालन विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| गाय | दुधारू पशुओं को दूध उत्पादन बढ़ाने और पेट फूलना (अफारा) से बचाने के लिए अन्य हरी घासों के साथ मक्का, ज्वार और बाजरा आदि जैसे हरे चारे की घास प्रदान करें। शेडों में उचित स्वच्छता बनाए रखें। खुरपका और मुंहपका रोग (एफएमडी) के खिलाफ टीका लगवाएं। |

**अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:**

| अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) | अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह |
|---|---|
| पौध - संरक्षण | प्राकृतिक खेती करने वाले किसान मौसम साफ और धूप होने पर साप्ताहिक अंतराल पर 3.0 प्रतिशत की दर से अग्निअस्त्र, ब्रह्मास्त्र और नीमास्त्र तथा दशपर्णी अर्क और 10.0 प्रतिशत की दर से जीवाअमृत का छिड़काव करके कीट-कीटों के हमले को नियंत्रित कर सकते हैं। खाती लस्सी का छिड़काव फसल को फफूंदीय हमले से बचाता है। |